' टू ' बीज के नाम पर किसानों के साथ बड़ा धोखा . . .

मंडी की जिंस को चमकाकर धड़ल्ले से बाजार में बेचने की तैयारी

राजू पटेल

खंडवा। क्षेत्र में खरीफ सीजन की आहट के साथ ही किसानों के साथ धोखाधड़ी का एक बड़ा खेल शुरू हो चुका है. जिला प्रशासन और कृषि विभाग की नाक के नीचे नियमावलियों की आड़ में नकली और अमानक बीज बेचने का कारोबार जोरों पर है. इस बार धोखाधड़ी का यह तरीका इतना बारीक है कि आम किसान इसकी पहचान भी नहीं कर पा रहे हैं.

बाजार में इस समय दो तरह के बीज बेचे जा रहे हैं, जिसमें पहला सर्टिफाइड (प्रमाणित) बीज है और दूसरा टू (सत्य) बीज है। सर्टिफाइड बीज पर बाकायदा रिसर्च होती है, अनुसंधान केंद्रों में इसके अंकुरण की जांच की जाती है और विधिवत सर्टिफिकेट जारी होने के बाद ही इसे बेचा जाता है. इसके विपरीत, ट्रू नाम का यह बीज सिर्फ कागजों तक ही सत्य है, जिसके लिए किसी भी प्रकार के सर्टिफिकेशन या कड़े सरकारी नियमों की जरूरत नहीं होती. इसकी पैकिंग और सामान्य बीज की पैकिंग में कोई अंतर नहीं होता,

बस पैकेट के नीचे बारीक अक्षरों में ट्रू बीज लिख दिया जाता है।

इस खेल की सबसे कड़वी सच्चाई यह है कि कई मुनाफाखोर व्यापारी मंडी से सीधे सोयाबीन और गेहूं की सामान्य जींस यानी खड़ी फसल खरीदते हैं. इसके बाद केवल उसकी ग्रेडिंग करके उसे चमकाया जाता है और आकर्षक पैकेटों में बंद करके ट्रू बीज के नाम पर ऊंचे दामों में किसानों को बेच दिया जाता है. यह सीधे तौर पर सोयाबीन की लोकप्रिय वैरायटियों के नाम पर किसानों के साथ की जा रही 'नकली खेती' है।

जिले की शहर सहित, गुड़ी, खालवा, पंधाना, कालमुखी, हरसूद क्षेत्र की दुकानों से बेचे जा रहे इन बीजों की न तो कोई जांच होती है और न ही अंकुरण की कोई गारंटी होती है, जिससे फसल खराब होने या फल न आने की स्थिति में किसानों के पास सिर पीटने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचता। बीज कंपनियों की मनमानी केवल बीज तक सीमित नहीं है, नियमों की कमियों का फायदा उठाकर ये कंपनियां खंडवा के भोले-भाले किसानों को ठग रही हैं और इस पूरे नेटवर्क पर सरकारी तंत्र का कोई नियंत्रण नहीं दिख रहा हैं।

अगर समय रहते कृषि विभाग ने इन ट्रू बीज बेचने वाली कंपनियों और सोसायटियों पर नकेल नहीं कसी, तो इस सीजन में किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है।

फर्जी दस्तावेजों से मिली नौकरी आखिरकार गई, 6 साल बाद शिक्षक सेवा से बाहर

नवभारत न्यूज़

खंडवा। फर्जी दस्तावेजों के सहारे शासकीय नौकरी हासिल करने वाले प्राथमिक शिक्षक मोहन सिंह काजले पर आखिरकार प्रशासन का शिकंजा कस गया। लंबे समय से चल रहे मामले में न्यायालय से दोषी करार दिए जाने के बाद कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने उन्हें शासकीय सेवा से बर्खास्त कर दिया है। मोहन सिंह काजले खालवा विकासखंड की शासकीय प्राथमिक शाला रायपुरढाना में पदस्थ थे।

वर्ष 2020 में फर्जी दस्तावेजों के जरिए नौकरी पाने के आरोप सामने आने पर उन्हें निलंबित किया गया था। जांच के दौरान मामला इतना गंभीर पाया गया कि पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार भी किया।खंडवा के द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश ने 25 अप्रैल 2026 को सुनाए फैसले में शिक्षक को धोखाधड़ी, जालसाजी और साक्ष्य छिपाने सहित विभिन्न धाराओं में दोषी माना।

अदालत ने आरोपी को तीन वर्ष के सश्रम कारावास और अर्थदंड की सजा सुनाई।न्यायालय के फैसले के बाद जिला प्रशासन ने जारी आदेश में कहा गया कि आरोपी का कृत्य गंभीर कदाचार की श्रेणी में आता है, इसलिए तत्काल प्रभाव से सेवा समाप्त की जाती है।

टैक्स का 2 लाख निजी खर्चों में लगाया

उपसरपंच को भी लेना पड़ा सीएम हेल्पलाइन का सहारा

नवभारत न्यूज़

खण्डवा। छैगांव माखन ब्लॉक की ग्राम पंचायत सिलोदा में भ्रष्टाचार और तानाशाही का आलम यह हो चुका है कि अब जनप्रतिनिधियों का ही अपनी पंचायत से भरोसा उठ गया है। सचिव सुनील यादव द्वारा किए जा रहे वित्तीय गबन के खिलाफ अब किसी आम नागरिक ने नहीं, बल्कि स्वयं संस्था के जिम्मेदार उपसरपंच ने मोर्चा खोलते हुए सीधे मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई है। यह इस बात का प्रमाण है कि पंचायत के भीतर लोकतांत्रिक व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है और सचिव की मनमानी के आगे पूरी पंचायत बेबस नजर आ रही है।

दरअसल, ग्राम पंचायत सिलोदा में सुचारू पेयजल व्यवस्था के लिए ग्रामीणों से नियमानुसार नल-जल योजना के तहत जल कर (टैक्स) की वसूली की गई थी। आवेदक नंदलाल पटेल सहित गांव के अन्य नागरिकों ने पंचायत में अपना टैक्स ईमानदारी से जमा भी कर दिया था, लेकिन पंचायत सचिव ने इस राशि को सरकारी रिकॉर्ड और पंचायत के खाते में दर्ज ही नहीं किया। आरोप है कि सचिव ने ग्रामीणों से वसूले गए करीब 2 लाख के पानी टैक्स का अपने निजी हित में गबन कर लिया।

इस हेराफेरी के कारण वर्तमान में गांव की नल-जल योजना बुरी तरह प्रभावित हो रही है और भीषण गर्मी के इस दौर में ग्रामीणों को पानी की बूंद-बूंद के लिए तरसना पड़ रहा है।आरोप है कि पंचायत सचिव ने उपसरपंच और पंचों की बात सुनना तो दूर, खुद सरपंच को भी पूरी तरह अंधेरे में रखा। जब उपसरपंच और अन्य जागरूक प्रतिनिधियों ने गायब हुए पानी टैक्स का हिसाब मांगना चाहा, तो सचिव द्वारा कोई जवाब नहीं दिया गया। अपनी ही पंचायत में हो रही इस अंधेरगर्दी और व्यवस्था से तंग आकर अंतत: उपसरपंच को न्याय के लिए 181 कॉल सेंटर का दरवाजा खटखटाना पड़ा।अपनी ही पंचायत के जनप्रतिनिधि द्वारा दर्ज कराई गई इस शिकायत (क्रमांक 38474837) के बाद अब यह मामला शिकायत निवारण अधिकारी (रु-1) के पास उच्च प्राथमिकता पर जांच के लिए लंबित है। एक उपसरपंच का सीएम हेल्पलाइन पर जाना जिला प्रशासन और पंचायती राज विभाग की कार्यप्रणाली पर सीधा तमाचा है। ग्रामीणों और स्थानीय पंचायत सदस्यों में इस बात को लेकर भारी आक्रोश है कि जब निर्वाचित जनप्रतिनिधि ही व्यवस्था के आगे बेबस हैं तो आम जनता की सुनवाई कैसे होगी। स्थानीय निवासियों ने जिला कलेक्टर और जिला पंचायत सीईओ से मांग की है कि शासकीय धन की चोरी और कूट रचित दस्तावेज तैयार करने के की निष्पक्ष सचिव जांच की जाए।

> **सरकारी रिकॉर्ड में काम पूरा, निकले 5 हजार, मजदूर को खबर तक नहीं..**
>
> ग्राम पंचायत सिलोदा में भ्रष्टाचार इस कदर हावी है कि किसके नाम से कब रूपये आहरित हो जाती है पता ही नहीं चल पाता। ऐसे ही एक मामले में यशवंत के नाम से बिना काम किए ही भुगतान उठा लिया गया। पंचायत सचिव ने कागजों पर मकानों की नंबरिंग का खेल रचा और जिस ग्रामीण के नाम से राशि का चेक या वाउचर काटा, उसे इस वित्तीय लेन-देन की दूर-दूर तक कोई जानकारी नहीं थी। सीधे तौर पर किसी अन्य व्यक्ति के नाम और पहचान का दुरुपयोग कर सरकारी खजाने में सेंध लगाई गई है, जो सीधे तौर पर धोखाधडी की श्रेणी में आता है।

श्री गणेश गौशाला में दीदी कृष्ण प्रिया का किया तुलादान

नवभारत न्यूज़

खंडवा। श्री गणेश गौशाला में शुक्रवार को गौ सेवा और सनातन संस्कृति का भावपूर्ण आयोजन हुआ। प्रसिद्ध संत दीदी कृष्ण प्रिया ने गौशाला पहुंचकर गौ माता का पूजन, आरती एवं गो-ग्रास किया। गौशाला समिति द्वारा उनका गुड़ एवं अन्न सामग्री से तुलादान कर सम्मान किया गया।

दीदी कृष्ण प्रिया ने कहा कि गौ माता की सेवा ही भगवान श्रीकृष्ण की सच्ची भक्ति है। उन्होंने समाज से गौशालाओं के सहयोग और गौ संरक्षण का आह्वान किया। कार्यक्रम में पंडित चंद्रशेखर शर्मा के मंत्रोच्चार के बीच पूजा संपन्न हुई। गौशाला सचिव रामचंद्र मौर्य ने नवीन गौशाला निर्माण और प्रस्तावित गो-आश्रम की जानकारी दी।समाजसेवी सुनील जैन ने बताया कि दीदी कृष्ण प्रिया इन दिनों खंडवा में आयोजित नानी बाई रो मायरो कथा में श्रद्धालुओं को भक्तिरस का रसपान करा रही हैं। इस अवसर पर समिति अध्यक्ष राकेश बंसल, सचिव रामचंद्र मौर्य, भूपेंद्र सिंह चौहान, आशीष चटकेले, मंगलेश शर्मा, राकेश ठाकुर, संजय दुबे, मंगलेश तोमर सहित बड़ी संख्या में गौभक्त उपस्थित रहे। अंत में समिति द्वारा दीदी श्री को गौ माता का स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया गया।

बालाजी धाम : लग्जरी लाइफस्टाइल का नया पता

नवभारत न्यूज़

खंडवा। रियल एस्टेट क्षेत्र में अपनी गुणवत्ता, विश्वसनीयता और आधुनिक निर्माण शैली के लिए पहचान बना चुके बालाजी ग्रुप पर शहरवासियों का भरोसा लगातार मजबूत होता जा रहा है। इंदौर रोड स्थित ग्रुप की प्रीमियम आवासीय कॉलोनी बालाजी धामआज प्रदेश की चुनिंदा सर्वश्रेष्ठ कॉलोनियों में अपनी पहचान बना चुकी है। अत्याधुनिक सुविधाओं, सुव्यवस्थित प्लानिंग और प्रीमियम लाइफस्टाइल के कारण यहां प्लॉट और मकानों की मांग लगातार बढ़ रही है। ग्रुप में संचालक रितेश गोयल ने बताया कि कॉलोनी में अब गिने-चुने प्लॉट ही बिक्री के लिए शेष बचे हैं।

शहर के साथ-साथ बाहरी क्षेत्रों के लोग भी यहां निवेश और आवास के लिए रुचि दिखा रहे हैं। तेजी से हो रही बुकिंग यह साबित कर रही है कि गुणवत्ता और भरोसे के मामले में बालाजी ग्रुप लोगों

की पहली पसंद बन चुका है। बालाजी धाम की सबसे बड़ी विशेषताओं में विश्व स्तरीय क्लब हाउस, आधुनिक ड्रेनेज सिस्टम, चौड़ी सड़कें, सुरक्षित वातावरण और प्रीमियम सुविधाएं शामिल हैं। कॉलोनी को आधुनिक जीवनशैली को ध्यान में रखते हुए विकसित किया गया है, जिससे यहां रहने वाले परिवारों को बेहतर और सुविधाजनक माहौल मिल सके।हाल ही में 800 वर्गफीट का मकान खरीदने वाले गोवा निवासी महावीर मौर्य ने कहा कि बालाजी ग्रुप की निर्माण गुणवत्ता और सुविधाएं वास्तव में अतुलनीय हैं। कॉलोनी में रहने वाले अन्य रहवासियों ने भी ग्रुप की कार्यशैली, समय पर पजेशन और मजबूत निर्माण की सराहना करते हुए इसे अपने जीवन का बेहतरीन निर्णय बताया।समाजसेवी सुनील जैन ने बताया कि बालाजी ग्रुप के संयोजक रितेश गोयल जिले में आधुनिक और आदर्श कॉलोनियों का निर्माण कर रहे हैं। वहीं धार्मिक दृष्टि से छैगांव माखन स्थित दिव्य बालाजी नगर में 81 फीट ऊंची बालाजी महाराज की भव्य प्रतिमा स्थापित की जा चुकी है, जिसकी प्राण प्रतिष्ठा शीघ्र ही देश के संतों के सान्निध्य में संपन्न होगी।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए समिति गठित

खण्डवा। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम के क्रियान्वयन की निगरानी हेतु जिला स्तरीय समिति का गठन किया गया है। जारी आदेश अनुसार इस जिला स्तरीय समिति के अध्यक्ष कलेक्टर ऋषव गुप्ता हैं। सदस्य के रूप में इस समिति में महापौर अमृता अमर यादव, और जनपद पंचायत अध्यक्ष, खण्डवा मीना बाई सोलंकी को शामिल किया गया है। इसके अलावा समिति में आयुक्त नगर निगम, जिले के सभी मुख्य नगर पालिका अधिकारी, सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी, खण्डवा तथा श्री नीलकंठेश्वर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, खण्डवा के प्राचार्य इसके सदस्य रहेंगे। जिला शहरी विकास अभिकरण खण्डवा के जिला परियोजना अधिकारी को समिति का सदस्य सचिव बनाया गया है। इस समिति की प्रत्येक 3 माह में कम से कम एक बैठक आयोजित की जाएगी।

त्योहार सौहार्द से मनाने की अपील

अफवाह फैलाने वालों पर होगी कार्रवाई

नवभारत न्यूज़

खंडवा। आगामी ईदुज्जुहा और मोहर्रम पर्व को लेकर शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने की। इस दौरान पुलिस अधीक्षक अगम जैन सहित प्रशासनिक अधिकारी, शहर काजी सैयद निसार अली और शांति समिति के सदस्य मौजूद रहे। समिति सदस्यों ने नवागत पुलिस अधीक्षक का स्वागत भी किया।कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने सभी से त्योहारों को परंपरागत तरीके से आपसी भाईचारे और सौहार्द के साथ मनाने की अपील की।

उन्होंने कहा कि जुलूसों में डीजे का कम उपयोग किया जाए और सोशल मीडिया पर किसी भी प्रकार की अफवाह या विवादित संदेश साझा न किए जाएं। अधिकारियों को सड़कों की मरम्मत, स्ट्रीट लाइट और पेयजल व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिए गए।

पुलिस अधीक्षक अगम जैन ने कहा कि सोशल मीडिया पर माहौल बिगाड़ने वाले लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने कहा कि प्रशासन और शांति समिति मिलकर जिले में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए कार्य करेंगे।

स्कूलों में पहुंचकर बच्चों का करें स्वास्थ्य परीक्षण : डॉ जुगतावत

नवभारत न्यूज़

खंडवा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ ओपी जुगतावत ने शुक्रवार को राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने सभी डॉक्टरों को निर्देश दिए कि वे समय पर पहुंचकर स्कूल एवं आंगनवाड़ी के बच्चों का अनिवार्य रूप से स्वास्थ्य परीक्षण करें।

डॉ जुगतावत ने कहा कि आरबीएसके टीम के भ्रमण की पूर्व सूचना संबंधित ग्राम की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता, सीएचओ और एएनएम को दी जाए, ताकि अधिक से अधिक बच्चों की स्क्रीनिंग सुनिश्चित हो सके। बैठक में बताया गया कि आरबीएसके के तहत 18 वर्ष तक के बच्चों का नि:शुल्क उपचार किया जाता है।

सीएमएचओ ने निर्देश दिए कि गंभीर बीमारी से पीड़ित बच्चों को चिन्हित कर तत्काल जिला अस्पताल या हायर सेंटर रेफर किया जाए। बैठक में डीपीएम शैलेंद्र सोलंकी, आरबीएसके कॉर्डिनेटर महेश पंवार सहित मोबाइल हेल्थ टीम के चिकित्सक उपस्थित रहे।

सुधार गृह के बच्चों के साथ मनाएं कार्यक्रम

खंडवा। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा सभी जिला कार्यक्रम अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि अपने अपने जिले में किशोर न्याय अधिनियम के तहत संचालित बाल देखरेख संस्थाओं में निवासरत बच्चों को समाज की मुख्य धारा में लाने के उद्देश्य से सामाजिक सहभागिता बढ़ाने के प्रयास करें। इसी क्रम में प्रभारी अधीक्षक बाल संप्रेक्षण गृह अजय गुप्ता ने जिले के सभी समाजसेवियों एवं प्रतिष्ठित नागरिकों से अपील की है कि वे रतागढ़ स्थित बाल संप्रेक्षण गृह में निवासरत बच्चों के साथ अपने परिवारजनों के जन्मदिवस एवं अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रम मनाएं तथा बच्चों से संवाद एवं अपने प्रेरणादायी अनुभव साझा करें। उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि राष्ट्रीय पर्व पर भी बाल संप्रेक्षण गृह में निवासरत बच्चों के साथ मनाएं।

एक नजर एनएचएआई अधिकारियों के साथ मैदानी निरीक्षण किया

हाईवे निर्माण में लापरवाही नहीं चलेगी- सांसद पाटिल

नवभारत न्यूज़

खंडवा। ज्ञानेश्वर पाटील ने शुक्रवार को इंदौर-इच्छापुर राष्ट्रीय राजमार्ग के खातला फाटा से शाहपुर तक निर्माणाधीन मार्ग का राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) अधिकारियों के साथ मैदानी निरीक्षण किया। करीब 50 किलोमीटर लंबे इस निरीक्षण में सांसद ने सड़क निर्माण, पुलों, सुरक्षा व्यवस्था और जनसुविधाओं की प्रगति का बारीकी से जायजा लिया तथा गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करने के निर्देश दिए।

समाजसेवी एवं प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि निरीक्षण के दौरान सांसद ने खातला फाटा, असीरगढ़, झीरी, निम्बोला रेलवे ओवरब्रिज, ताप्ती एवं मोहना नदी पर बन रहे पुलों सहित विभिन्न निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान किसानों और ग्रामीणों ने सर्विस रोड, संपर्क मार्ग और जल निकासी जैसी समस्याएं सांसद के समक्ष रखीं। सांसद ने एनएचएआई अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों और ग्रामीणों की समस्याओं का प्राथमिकता से समाधान सुनिश्चित किया जाए। सांसद ने असीरगढ़ क्षेत्र की कटी घाटी में बाहर निकले पहाड़ी हिस्से को कम करने के निर्देश भी दिए, ताकि भविष्य में दुर्घटनाओं की आशंका न रहे। वहीं ोलती पहाड़ी क्षेत्र में निर्माणाधीन फ्लाईओवर के एक हिस्से को जल्द यातायात के लिए शुरू करने को कहा।सांसद पाटील ने कहा कि इंदौर-इच्छापुर हाईवे पूरा होने के बाद खंडवा, बुरहानपुर, इंदौर और महाराष्ट्र के बीच कनेक्टिविटी मजबूत होगी।

इससे व्यापार, उद्योग, पर्यटन और कृषि परिवहन को नई गति मिलेगी, वहीं रोजगार और निवेश के अवसर भी बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि आधुनिक हाईवे क्षेत्र के आर्थिक विकास की नई जीवनरेखा साबित होगा।निरीक्षण के दौरान एनएचएआई परियोजना संचालक आशुतोष सोनी, अमित गुप्ता, जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।